भारत सरकार

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 4338

उत्तर देने की तारीख : 26.03.2025

सीखो और कमाओ योजना

4338. सुश्री कंगना रनौत:

क्या **अल्पसंख्यक कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान सीखो और कमाओ योजना के अंतर्गत कुल कितने युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है और प्रशिक्षण के बाद उनके रोजगार की स्थिति क्या है;

(ख) क्या सरकार ने अल्पसंख्यक युवाओं की नियोजनीयता और आय स्तरों में सुधार लाने में इस योजना की प्रभावकारिता का निर्धारण करने के लिए इसके प्रभाव का कोई आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और मुख्य निष्कर्ष क्या हैं;

(ग) क्या प्रशिक्षित अभ्यर्थियों के लिए रोजगार नियोजन में वृद्धि करने हेतु निजी क्षेत्र के उद्योगों और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के साथ कोई भागीदारी स्थापित की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा इस योजना के अंतर्गत विशेषकर आकांक्षी जिलों में भौगोलिक पहुंच और उद्योग-विशिष्ट कौशल प्रशिक्षण का विस्तार करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

अल्पसंख्यक कार्य मंत्री

(श्री किरेन रिजिजू)

(क) सीखो और कमाओ (SAK) योजना, 2013-14 में शुरू की गई थी, जिसका लक्ष्य अल्पसंख्यक युवाओं (14-45 वर्ष) के कौशल को उनकी योग्यता, मौजूदा आर्थिक रुझानों और बाजार की संभावनाओं के आधार पर विभिन्न आधुनिक/पारंपरिक कौशल में उन्नत करना था, जिससे उन्हें उपयुक्त रोजगार मिल सके या उन्हें स्वरोजगार अपनाने के लिए उपयुक्त रूप से कुशल बनाया जा सके। इस योजना के अंतर्गत, अंतिम लक्ष्य आवंटन 2020-21 में किया गया था, जिसके अंतर्गत 22,672 लाभार्थियों को लक्ष्य आवंटित किया गया था और उनमें से 7,920 को रोजगार प्राप्त हुआ, जैसा कि योजना पोर्टल पर परियोजना कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा अद्यतित किया गया है। इसके बाद, इस योजना को एक नई एकीकृत योजना प्रधानमंत्री विरासत का संवर्धन (पीएम विकास) के तहत शामिल कर लिया गया है।

(ख) मंत्रालय ने 2020 में नीति कार्यान्वयन में सुधार के लिए प्रबंधन विकास संस्थान (MDI), गुरुग्राम द्वारा योजना का प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन कराया। रिपोर्ट के प्रमुख निष्कर्ष निम्नलिखित थे:

i. अधिकांश (80%) उत्तरदाता प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद आय में हुई वृद्धि से या तो संतुष्ट या तटस्थ थे।
ii. प्रशिक्षित लाभार्थियों में से 97% को कौशल प्रमाण-पत्र प्राप्त हुए।
iii. प्रशिक्षण पूरा होने के बाद 79% प्रशिक्षुओं को नौकरी मिल गई।
iv. तीन/चौथाई से अधिक उत्तरदाताओं ने बताया कि इस योजना में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद उनके कौशल में सुधार हुआ है।
v. 89% उत्तरदाताओं ने पारिवारिक जीवन स्तर में हुए सुधार से उच्च संतुष्टि व्यक्त की।
vi. 78% उत्तरदाताओं ने परियोजना कार्यान्वयन एजेंसियों (PIA) से नौकरी मिलने के बाद सहायता प्राप्त करने पर सहमति व्यक्त की।
vii. अधिकांश लाभार्थी (97%) प्रशिक्षकों द्वारा अपनाई गई शिक्षण पद्धति से संतुष्ट बताए गए।
viii. 80% लाभार्थियों ने बुनियादी ढांचे के निर्माण से जुड़ी सभी सुविधाओं को उपयुक्त पाया।

(ग) इस योजना के अंतर्गत कार्यान्वयन साझेदारों को उद्योगों के साथ अपने संपर्क के माध्यम से प्रशिक्षित कुल अभ्यर्थियों में से 75 प्रतिशत की नियुक्ति सुनिश्चित करनी है।

(घ) मंत्रालय ने छह अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदायों के लिए मंत्रालय की पांच पूर्ववर्ती योजनाओं अर्थात् 'सीखो और कमाओ', 'नई मंजिल', 'उस्ताद', 'नई रोशनी' और हमारी धरोहर को एकीकृत कर प्रधानमंत्री विरासत का संवर्धन (पीएम विकास) योजना शुरू की है। यह योजना कौशल विकास, अल्पसंख्यक महिलाओं की उद्यमिता और नेतृत्व; तथा स्कूल ड्रॉपआउट छात्रों के लिए शिक्षा सहायता के माध्यम से अल्पसंख्यकों के विकास पर केंद्रित है। यह एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है जिसे अखिल भारतीय स्तर पर लागू किया जाएगा।

*****